21/5/25 वादी अधिवक्ता उपस्थित। मूल वाद मे P.D. जारी करने बाबत सहमति प्रदान की। वादी अधिवक्ता की बहस सुनी गयी। वादी अधिवक्ता ने उभयपक्षकारान को मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक पाबन्द करने का निवेदन किया। बहस पर मनन एवं पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है की दावा 53 का है। एवं एकपक्षीय कार्यवाही की जा चुकी है। एवं वादी अधिवक्ता ने P.D. जारी बाबत सहमति भी प्रदान की जा चुकी है। ऐसे मे मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक उभय पक्षकारान को मौका व राजस्व रिकार्ड की स्थिति यथावत रखने बाबत पाबन्द किया जाना उचित प्रतीत होता है। अत: पाबन्द किया जाता है। एवं पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बरान से कम हो। एवं मूल वाद के साथ संलग्न की जावे।

21/5/25

Signature Not Verified
Digitally signed by Ganga Dhar Meena
Date: 2025.10.28 15:21:37 IST
Reason: SelfAttested